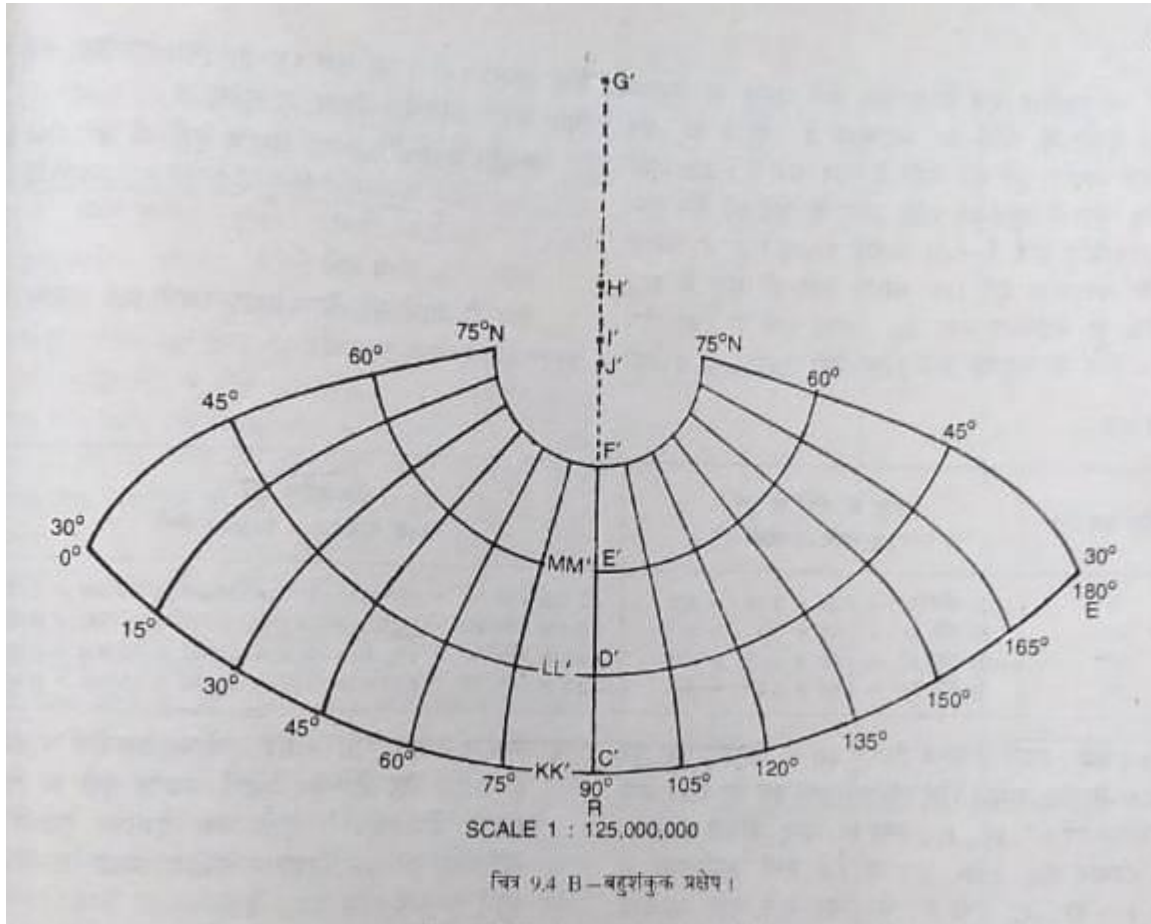


बहुशंकुक प्रक्षेप **Polyconic Projection**

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

यह एक संशोधित शंकु प्रक्षेप है जिसमें प्रत्येक अक्षांश वृत्त एक मानक अक्षांश होता है। इस प्रक्षेप की रचना करते समय यह कल्पना कर ली जाती है कि प्रक्षेप में प्रदर्शित किए जाने वाले अक्षांश वृत्त पर अलग-अलग कागज के शंकु रखे गए हैं। इसी कारण इस प्रक्षेप को बहुशंकुक प्रक्षेप कहा जाता है। चूँकि इन शंकुओं के शीर्ष एक बिंदु पर नहीं होते अतः प्रक्षेप में अक्षांश वृत्त संकेंद्र वृत्तों के चाप नहीं होते तथा देशांतर रेखाओं की आकृति वक्राकार होती है। संक्षेप में बहुशंकुक प्रक्षेप में प्रत्येक अक्षांश वृत्त को उसी प्रकार बनाया जाता है जिस प्रकार एक मानक अक्षांश वाले साधारण शंकु प्रक्षेप में मानक अक्षांश को बनाते हैं तथा देशांतर रेखाएं बनाने की विधि बोन प्रक्षेप के समान है।



चित्र स्रोत: प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा

पहचान (Identification)

बहुशंकुक प्रक्षेप में पहचान संबंधी निम्नांकित चार मुख्य लक्षण होते हैं:

1. भिन्न-भिन्न बिंदुओं को केंद्र मानकर खींचे गए वृत्तों के भाग होने के कारण समस्त अक्षांश वृत्त असंकेंद्री चाप होते हैं ।
2. केंद्रीय मध्याह्न रेखा पर अक्षांश वृत्त के बीच की दूरी समान होती है परंतु इस रेखा के पूर्व तथा पश्चिम की ओर अक्षांश वृत्तों के बीच का अंतर निरंतर बढ़ता जाता है ।
3. केंद्रीय मध्याह्न रेखा एक सरल रेखा होती है तथा शेष देशांतर रेखाओं की आकृति वक्राकार होती है ।
4. केंद्रीय मध्याह्न रेखा अक्षांश वृत्तों को समकोण पर काटती है जबकि शेष देशांतर रेखाएं अक्षांशों को तिरछा काटती है । अक्षांश व देशांतर रेखाओं के प्रतिच्छेदन का यह तिरछापन केंद्रीय मध्याह्न रेखा से दूरी बढ़ने के साथ-साथ बढ़ता है ।

गुणधर्म (Properties)

इसमें निम्नलिखित गुणधर्म होते हैं:

1. इस प्रक्षेप में समस्त अक्षांश वृत्तों एवं केंद्रीय मध्याह्न रेखा पर मापनी शुद्ध होती है ।
2. अक्षांश वृत्तों के असंकेंद्री होने के कारण इस प्रक्षेप में समक्षेत्रफल का गुण नहीं होता ।
3. केंद्रीय मध्याह्न रेखा से दूरी बढ़ने पर देशान्तरों की मापनी में होने वाली तीव्र वृद्धि के कारण यह प्रक्षेप यथाकृतिक भी नहीं होता ।
4. केंद्रीय मध्याह्न रेखा से दूर मानचित्र के सीमावर्ती भागों में आकृति तथा क्षेत्रफल में विकृति बहुत बढ़ जाती है ।
5. इस प्रक्षेप में भूमध्यरेखा को सरल रेखा के रूप में प्रदर्शित किया जाता है ।

उपयोग (Use)

आकृति एवं क्षेत्रफल शुद्ध प्रदर्शित ना होने के कारण यह प्रक्षेप बड़े-बड़े क्षेत्रों के मानचित्र बनाने के लिए अनुपयुक्त होता है । छोटे-छोटे क्षेत्रों जिनका पूर्व-पश्चिम विस्तार कम हो, के मानचित्र बनाने के लिए यह प्रक्षेप विशेष रूप से उपयोगी है । संयुक्त राज्य अमेरिका में इस प्रक्षेप पर विभिन्न प्रकार के स्थलाकृतिक मानचित्र बनाए जाते हैं ।